SARALA BIRLA PUBLIC SCHOOL

Birla Knowledge City, Mahilong, Ranchi

CLASS-VI (2020-21)

Sub: HINDI
Assignment-3

पाठ -2 (नीलू)

नीलू एक परोपकारी कुत्ते की कहानी है ।उसकी कहानी उसके मां से जुड़ी हुई है ।उसकी मां अल्सेशियन प्रजाति की थी ।शीतकाल में जब रास्ता बर्फ से ढक जाता था तब लोग लूसी के गले में रुपए और सामग्री की सूची के साथ एक बड़ा थैला या चादर बांधकर उसे सामान लाने भेज देते थे ।बर्फ के मार्ग को पार करते हुए वह सभी का कार्य करती रहती ।उन्हीं सर्दियों में लूसी ने 2 बच्चों को जन्म दिया किंतु उनमें से एक तो शीत के कारण मर गया दूसरे का नाम नीलू रखा गया।

एक दिन लूसी लकड़बग्घे का आहार बन गई तब लेखिका ने नीलू को कोमल स्वेटर की डलिया में रख दिया जहां वह मां के सानिध्य को महसूस कर सो गया ।बड़े होने पर वह भी एक परोपकारी कुत्ते के रूप में सामने आया। उसकी विशेषता थी कि उसे प्रिय से प्रिय खाद्य भी अवज्ञा के साथ कोई फेंक कर देता तो वह उसे नहीं लेता था । वह एक स्वाभिमानी कुत्ता था ।लेखिका के साथ वह ऐसे घुलमिल गया था कि उनकी हर एक बात बिना कहे समझ जाता था। जब लेखिका को मोटर दुर्घटना में घायल होकर अस्पताल जाना पड़ा तब भी नीलू को बिना बताए इस बात की जानकारी हो गई और वह भी डॉक्टर से अनुमति लेकर मिलने वालों में गिना जाने लगा ।नीलू को 14 वर्षों का जीवन मिला तथा जन्म से मृत्यु तक वह लेखिका के पास ही रहा ।

1) शब्दार्थ लिखें

क) अपूर्ण (ख) देह (ग) सजग (घ) परिवेश (ङ) अनायास (च) वेगवती (छ) आभास (ज) पगडंडी (झ) कुंठित (ञ) पारदर्शी (ट) अलभ्य

2) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें-

क) नीलू की आंखों का रंग धूप में किस प्रकार लगता था ?

ख) नीलू को उसके प्रिय खाद्य वस्तु फेंक कर देने पर क्या करता था?

ग) लूसी की मित्रता किसके साथ हो गई थी ?

घ) मां के अभाव में लूसी के बच्चे के अधिक रोने पर लेखिका ने उसे मां की उष्णता का भ्रम कैसे दिया?

ङ) नीलू की मां कौन सी जाति की कुत्तिया थी ?